

बोलियाँ आती हैं वि. मुंडित, गंजा 2. बिना सींग का (बैल, बकरा)।

मुंडिका स्त्री. (तत्.) 1. छोटा मुंड 2. सिर।

मुंडित पुं. (तत्.) लोहा वि. 1. जिसका मुंडन हुआ हो 2. जो मुँड़ा गया हो जैसे-मुंडित मस्तक।

मुंडितिका स्त्री. (तत्.) गोरखमुंडी।

मुंडी स्त्री. (तद्.) वह स्त्री जिसके सिर के बाल मुँड़ दिए गए हो, विधवा 2. गोरखमुंडी पुं. 1. नाई 2. शिव 3. संन्यासी।

मुंतकिल वि. (अर.) 1. एक स्थान से दूसरे स्थान को जाने वाला 2. एक स्थान से दूसरे स्थान को हटने वाली वस्तु 3. एक स्थान से दूसरे स्थान को तबादले पर जाने वाला नौकर, हस्तांतरित।

मुंतखिब वि. (अर.) 1. छाँटा हुआ, चुना हुआ 2. संकलित 3. चुना हुआ कलाम या मजमून 4. निर्वाचित, चुना हुआ आदमी।

मुंतजिम वि. (अर.) प्रकाशमान, दीप्त, रोशन।

मुंतज़िम वि. (अर.) प्रबंधक, व्यवस्थापक।

मुंतज़िर वि. (अर.) प्रतीक्षरत, प्रतीक्षक।

मुंतशिर वि. (अर.) 1. अस्त-व्यस्त, तितर-बितर 2. उद्विग्न, परेशान, चिंतित।

मुंतही वि. (अर.) 1. पराकाष्ठा या अंत को पहुँचने वाला, विद्या में पारंगत होने वाला, स्नातक, विद्वान 2. पारंगत, पारगामी।

मुंथा पुं. (तत्.) ज्यो. नक्षत्रों का एक समूह जिसके प्रभाव में कोई जन्म लेता है।

मुंशियाना अव्य. (अर.+फा.) मुंशियों जैसा, मुंशियों की तरह का।

मुंशी पुं. (अर.) 1. लिपिक, लेखक 2. कचहरी में अर्जियाँ लिखने वाला।

मुंशीखाना पुं. (अर.+फा.) वह स्थान जहाँ मुंशी लोग बैठकर काम करते हों, दफ्तर।

मुंशीगिरी स्त्री. (अर.+फा.) मुंशी का काम या पद, लेखनवृत्ति।

मुंसरिम पुं. (अर.) 1. व्यवस्था या प्रबंध करने वाला, प्रबंधक, व्यवस्थापक 2. कचहरी का वह कर्मचारी जो किसी दफ्तर का प्रधान होता है, कलेक्टरी आदि के दफ्तर का प्रधान।

मुंसरिमी स्त्री. (अर.) मुंसरिम का काम या पद।

मुंसलिक वि. (अर.) साथ में बाँधा या नत्थी किया हुआ।

मुंसिफ पुं. (अर.) 1. इंसफ करने वाला, न्यायाधीश 2. न्यायविभाग का वह अधिकारी जिसका पद सब जज से छोटा होता है।

मुंसिफाना वि. (अर.) न्यायोचित, न्याययुक्त।

मुंसिफी स्त्री. (अर.) 1. न्यायशीलता 2. मुंसिफ का पद 3. मुंसिफ की अदालत।

मुँगना पुं. (देश.) मुनगा, सहिजन (वृक्ष)।

मुँगरा पुं. (तत्.) 1. लकड़ी की बनी बड़ी हथौड़ी 2. नमकीन बुँदिया।

मुँगरी स्त्री. (देश.) मुंगरा का स्त्री. छोटा मुंगरा।

मुँगवन पुं. (देश.) मोठ

मुँडकरी स्त्री. (तत्.+तद्.) घुटनों में सिर रखकर बैठने की स्थिति।

मुँडकारी स्त्री. (तत्.+तद्.) मुँडकारी, घुटनों में सिर रखकर बैठने की स्थिति।

मुँडचिरा वि. (तत्.+तद्.) 1. जिसके सिर या मुंड का ऊपरी भाग चिरा हुआ हो 2. एक तरह के मुसलमान फकीर जो अपने सिर, चेहरे आदि पर छुरे से घाव करके भीख माँगते हैं।

मुँडाई स्त्री. (तद्.) मुँड़ने का काम, मुँड़ने की मजदूरी।

मुँडाना स.क्रि. (तद्.) मुँड़ने का काम दूसरे से कराना, मुंडन कराना।

मुँडासा पुं. (तद्.) सिर पर बाँधने का साफा।

मुँडासाबंद पुं. (तद्.) दस्तारबंद।

मुँडा-हिरन पुं. (तत्.) पाठी मृग।